संतोषजनक ढंग से प्रचालन कर रहा है। अनपारा "ख" में 500–500 मेगावाट की दो यूनिटों की परिकल्पना की गई है। इसकी पहली यूनिट को समकालित किए जाने सम्बन्धी सभी परीक्षण कार्य 19-7-93 तक पूरे कर लिए गए हैं। दूसरी यूनिट को चालू वर्ष (1993–94) के दौरान चालू कर दिए जाने की प्रत्याशा है। उत्तर प्रदेश में बिजली की कमी होने के मुख्य कारणों में कुछ ताप विद्युत केन्द्रों द्वारा असंतोषजनक कार्य निष्पादन तथा अधिष्ठापित क्षमता में कमी होने शामिल था।

योजना आयोग द्वारा अनपारा-उन्नाव 800 के०वी० पारेषण लाइन को अनपारा "ख" (2X500 मे० वा०) ताप विद्युत एक भाग के केन्द्र से सम्बद्ध पारेषण प्रणाली के एक रूप में सिद्धांत रूप में अप्रैल, 1989 में अनुमोदन प्रदान किया गया। इस लाइन के लिए वन सम्बन्धी स्वीकृति प्राप्त हो जाने के पश्चात् अतिशीघ्र ही इस लाइन पर कार्य आरंभ किए जाने की प्रत्याशा की गई है। अनपारा तथा गोरखपुर के बीच पारेषण लाइन का निर्माण किए जाने के संबंध में इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, 400 के.वी. गोरखपुर-आजमगढ़ पारेषण लाइन के निर्माण कार्यों को उ०प्र०रा०वि० बोर्ड की पारेषण प्रणाली के एक अंग के रूप में पहले ही अनुमोदन दे दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में विद्युत परियोजनाओं पर सरकार द्वारा व्यापक रूप से निगरानी

997. श्री ईश दत्त यादव : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार उत्तर प्रदेश में विद्युत परियोजनाओं को पूर्ण रूप से लागू करने के लिए उन पर व्यापक रूप से निगरानी रख रही है।

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और उसके क्या परिणाम रहे हैं; और

(ग) सरकार को इसमें कितनी सफलता मिली है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगया नायडू) : (क) से (ग) जी, हां। उत्तर प्रदेश में विद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन सम्बन्धी स्थिति की सरकार द्वारा सघन रूप से मानीटरिंग की जा रही है। निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय पर पूरा किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा परियोजना प्राधिकारियों आदि के साथ आवधिक रूप से बैठकें की जाती हैं और विभिन्न समस्याओं को हल किया जाता है।

परियोजनाओं के कार्यान्वयन को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों में से एक निधियों की कमी होना है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं को सतत रूप से विदेशी सहायता हेतु प्रस्तुत किया जाता रहा है। विद्युत क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रभावी रूप से प्रोतसाहित किए जाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

Power position in Gujarat

998. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what is the existing installed capacity of power generation in Gujarat;

(b) what is the Plant Load factor in Gujarat and the average of national Plan Load factor during 1992-93; and

(c) what efforts have been made or are proposed to be made to bring the power generation capacity of Gujarat at the national level?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) The present installed generating capacity of the existing power stations in State of Gujarat is 5641 MW.

(b) During the year 1992-93 the plant load factor (PLF) of theremal power stations in Gujarat was 61.7 per cent as against the National average PLF of 57.1 per cent.